

क्रमांक 1578-ज-2-2004/14580.—श्री रामजी लाल पुत्र श्री फूल सिंह निवासी गांव बालावास, तहसील व जिला रिवाड़ी की पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए), (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1404-ज-1-82/34469, दिनांक 30 सितम्बर, 1982 द्वारा 300/- रुपये वार्षिक की दर से युद्ध जागीर मंजूर की गई थी। इसके पश्चात् सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 अगस्त, 1993 द्वारा 1000/-रुपये वार्षिक तथा इसके पश्चात् अधिसूचना क्रमांक 1434-ज-2-02/9460, दिनांक 12 जून, 2002 द्वारा 5000/- रुपये वार्षिक की दर से इस युद्ध पुरस्कार अनुदान में संशोधन किया गया था।

2. अब श्री रामजी लाल की दिनांक 10 फरवरी, 2004 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये इस जागीर को स्वर्गीय रामजी लाल की पत्नी श्रीमती चान्दबाई के नाम रबी 2004 से 5000/- रुपये वार्षिक की संशोधित दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

क्रमांक 1578-ज-2-2004/14584.—श्री जगमाल सिंह पुत्र श्री भूरा सिंह निवासी गांव नान्धा, तहसील व जिला रिवाड़ी की पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए), (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 434-ज-1-1981/24722, दिनांक 17 जुलाई, 1981 द्वारा 300/- रुपये वार्षिक की दर से युद्ध जागीर मंजूर की गई थी। इसके पश्चात् सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 अगस्त, 1993 द्वारा 1000/-रुपये वार्षिक तथा इसके पश्चात् अधिसूचना क्रमांक 1434-ज-2-2002/9460, दिनांक 12 जून, 2002 द्वारा 5000/- रुपये वार्षिक की दर से इस युद्ध पुरस्कार अनुदान में संशोधन किया गया था।

2. अब श्री जगमाल सिंह की दिनांक 23 अक्टूबर, 2003 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये इस जागीर को स्वर्गीय जगमाल सिंह की पत्नी श्रीमती मान बाई के नाम रबी 2004 से 5000/- रुपये वार्षिक की संशोधित दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

नरेश कुमारी,
अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।

REVENUE DEPARTMENT

The 18th August, 2004

No. 3070-E-II-04/9243.—In exercise of the powers conferred by Clause (c) of Section 3 of Land Acquisition Act, 1894, the Governor of Haryana confers on Shri Narender Singh Kadian, Tehsildar Faridabad the powers to perform the functions of Collector under the said Act as Land Acquisition Officer for acquiring land for setting up of a POL terminal at village Piyala, Tehsil Ballabgarh, District Faridabad.

Chandigarh :
The 18th August, 2004

K. C. SHARMA,
Financial Commissioner and Principal Secretary to
Government Haryana, Revenue Department.